B.A. Part I Indian Economics.

(Water Resources)

किसी देश की आर्थिक विकास उस देश के प्राकृतिक साधनों पर निर्भर करता है मानवीय साधनों की सामूहिक शक्ति ही देश के आर्थिक विकास की सीमा एवं प्रकृति निर्धारित करती है सीमाएं में जिन देशों में ये साधन प्रचुरता से विद्यमान है इन देशों में आर्थिक विकास की असीम ~~संभावनाएं~~ संभावनायें हैं परन्तु यह उल्लेखनीय है कि प्राकृतिक साधनों की उपलब्धता मात्र से ही किसी देश का आर्थिक विकास नहीं हो जाता, क्योंकि प्राकृतिक साधन निष्क्रीय होते हैं और अपने आप आर्थिक विकास के ~~आरम्भ~~ आरम्भ नहीं कर सकते। वैज्ञानिक तकनीकी और मानवीय प्रयास के द्वारा उनके विदोहन और उपयोग की आवश्यकता पड़ती है

जितने भी प्राकृतिक साधन हैं उनमें water का बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान है जल संसाधनों की दृष्टि से भारत का विश्व में तीसरा स्थान है। कनाडा एवं अमेरिका प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर आता है

भारत की तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या और देश के आर्थिक व सामाजिक विकास के संदर्भ में जल संसाधनों का बड़ा महत्व है क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि जल ही जीवन है क्योंकि जल पीने से लेकर कृषि उद्योग, जहाजरानी आदि सभी में भी जल संसाधनों का विशेष महत्व है

संक्षेप में जलसंसाधनों के महत्व का वर्णन निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर किया जा सकता है!-

कृषि के लिए महत्व

शक्ति के लिए महत्व

कृषि एवं सम्बद्ध उद्योगों का विकास

हरित क्रांति की सफलता

आन्तरिक जल परिवहन का विकास

रोजगार

भारत में संसाधन के दो प्रमुख साधन हैं

1. भूगर्भ जलसंसाधन
2. सतही जलसंसाधन

इन प्रकार जलसंसाधनों के विकास हेतु निम्न प्रकार से सरकार के माध्यम से संगठनों का गठन किया गया है।

1. केंद्रीय जल आयोग
2. केंद्रीय भूमिगत जलबोर्ड
3. राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी
4. राष्ट्रीय जलसंसाधन परिषद
5. राष्ट्रीय जलबोर्ड
6. राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल अनुसंधान परिषद
7. विश्व जल परिषद

प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में 1 April 2002 को नई दिल्ली में पांचवीं National water Resource Council की बैठक में National water Policy 2002 को मंजूरी प्रदान की गयी एवं स्वीकृति भी मिली। water policy वस्तुतः सन् 1987 के जलनीति का ही संशोधित एवं परिवर्तित रूप है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि उपरलिखित संगठनों के माध्यम से आज जल संसाधन का सही विकास एवं सुचारु रूप से क्रियाशील है।

प्रो० रविकान्त प्रसाद
[illegible]